महाकाल को मनायेगे

महांकाल को मनायेगे, भोलेनाथ को मनायेगे ,
महांकाल को मनायेगे, भोलेनाथ को मनायेगे ,
झूमो नाचों आओ, मिल गाओ रे भक्तो,
महिमा हम तो उनकी गायेगे , भोलेनाथ को मनायेगे,
महांकाल को मनायेगे, भोलेनाथ को मनायेगे...........

मस्तक पर चंदा उनके हें साजे, उनके है साजे, उनके है साजे ,
गले में सर्पो की माला विराजे, माला बिराजे, माला बिराजे ,
जटाओ से गंगा बहती है कल-कल,
देवपित्रो को मुक्त करती है हर-पल ,
ऐसे भोले को मनायेगे, महांकाल को मनायेगे,
महांकाल को मनायेगे, भोलेनाथ को मनायेगे...............

कैलाश पर्वत पर बैठे हें भोले, बैठे है भोले, बैठे है भोले ,
मृगो की छाला को, रहते है ओढ़े, रहते है ओढ़े, रहते है ओढ़े............
तन पर भस्मी रमाये हुए है,
ध्यान मुद्रा वो लगाये हुए है ,
गुण उनके हम तो गायेगे, भोलेनाथ को मनायेगे,
महांकाल को मनायेगे, भोलेनाथ को मनायेगे............

उज्ञैयनी में रहते, बाबा महांकाल, मेरे महांकाल, बाबा महांकाल ,
माता शक्ति संग भैरव उनके साथ, शक्ति भी साथ, भैरव भी साथ,
नर नारी, जो कोई आये यहाँ पर ,
मन इच्छा पूरी हो जाये यहाँ पर,
सत्य कहे शिव को ध्यायेगे, भोलेनाथ को मनायेगे,
महांकाल को मनायेगे, भोलेनाथ को मनायेगे.............

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/23818/title/mahakaal-ko-manayege

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |